## The Exarincial Iteslenam

Published, under the direction of the Wesleyan Methodist Conference of Eastern British America.

| Volume XXV. |  | X, | WEDNESDAY, APRIL 2 |  |  | Number 14 |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  <br>  <br> - - |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
| This chapter contains one of the most striking prophecies in the Old Testament. First |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  | dimy |
|  |  |  |  |  | worldiy Mat |  |
| overthrown, when the Lord God shall appeal |  |  |  |  |  |  |
| shall then be lighted up with an undying day : <br> lit 1 |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  | d |
|  |  |  |  |  |  |  |
| come what it never was permanently before, a safe habitation, while the surronnding cour- |  |  |  |  |  |  |
| try is to bave all its irregularities of surface removed, aud be levelled into a plain ( 10 | ven |  |  |  |  |  |
| 11). Judgment is denounced against the ad- versaries, the remnante of the nations will be |  |  |  |  |  |  |
| brought into subjection, and the annual ap- |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  | diop |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
| passages, which are hard to explain on anyother theory. There is also the spiritual in |  |  |  |  |  | d |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
| and its members. Aecording to this view, the conflict described in this chapter is already | 2 |  |  |  |  | Uron |
| conflict described in this chapter is already <br> going on, the powers of evil are united togeth- er if fierce hostility against the kingdom of |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  | ${ }_{\text {ad }}^{\text {nod }}$ |  | \% |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  | de |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  | d |  |  | Wourar boor |  |  |
|  | b |  |  |  | \% |  |
| haps at some future day a man of might and wisdom may arise, whe will be able to recon- | ple |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  | \% beem. 1 hare |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  | ore |  |  |  |  |  |
| On fundamental points Christians are already agreed. We all believe that the Jews will be | mand, whe |  |  |  |  |  |
|  | ation them ami | 5 | dout lord |  |  |  |
|  | mand |  | $\frac{\text { "GLorify THY NAME." }}{}$ | , |  | Woll ber |
|  | ${ }^{\circ}$ |  |  |  |  |  |
| divine dominion shall be established universal- ly, and that Christ shall reign, " King of kings and Lord of lords." Beyond this millenial |  |  |  |  | hitm tid ition |  |
| $\begin{aligned} & \text { and Lord of lords." Beyond this millenial } \\ & \text { period looms upon the the sacred page a sea- } \end{aligned}$ |  |  |  |  |  |  |
|  | item |  |  |  |  |  |
|  | did |  |  |  |  |  |
| Son ot Man will appear io avenge himself upon his toes; beaven and earth will pass |  |  | Cana chia |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
| United in the belief of these awful yet glori-ous truths, and knowing that "all these things |  |  |  |  | -r |  |
|  |  |  |  |  | Dindin frem ald |  |
| ous truths, and knowing that " all these things shall be dissolved, what manner of persons ought ye to be in all holy conversation and | 隹 |  |  |  |  |  |
| godliness?" Our text speaks of what will transpire " in that day." This in'its full real- |  |  |  |  | and | logt and da |
|  |  |  |  |  |  |  |
| seek to eajoy in ourselves the blessedness de-scribed P It is the Christian's privilege always |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
| glory ;" He has become the "temple of in- dwelling God." It we do not misunderstand the passage, it teaches that under the Gospel |  |  |  |  |  |  |
| dispensation, all things are made holy, allthings conseerated to the sorvice of God. Themotto set before us is: " Holiness to the Lord; |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  | Tout. Htm |  |
| the distinction between things clean and un- | neer, |  |  |  |  |  |
| shall be like the bowls before the altar." Un-der the law the high priest's mitre-" theholy orown ot pure gold "-bore a sinilar in- | med |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  | re |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  | in | II. The emend |  |  |  |  |
|  |  |  |  | , |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
| Cbristians every where rise to the realization of |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
| the final consummation of the divine purposestowards mankind.Our text, taken in its general sense, implies |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |  |




| Cbe famild |  |  |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
| tuns for mix |  |  |  |  |  |
|  | I |  |  |  |  |
|  |  | micm |  |  |  |
| ， | A |  | bing． | 隹 |  |
|  | and |  | EVERY OrE EOLD IS POLLY warranted． | ， |  |
|  | 1 | 20m | no floids or extra soap isbd |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  | Invigorating Syrup， |  |
|  |  |  | 析 |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  | and |  |
|  |  |  |  | ， |  |
|  |  |  | siem wis |  |  |
|  |  |  |  | 边 |  |
| Tremum |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  | ： |
|  |  | ：umient |  | \％ |  |
|  | Someme |  |  |  |  |
|  |  |  | Ganornind．clothemivisa |  |  |
|  |  |  |  | \％ |  |
|  |  |  | ONIA |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| strasastrios． |  |  |  |  | bad |
| labl |  |  |  | ， |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  | OULDNG FACTORY． |
| Soter |  |  |  |  |  |
|  | did | 边 | atamex |  |  |
|  |  | Stituminitiomi | dit |  |  |
| and |  |  |  | ebiates 4 co． |  |
| Somber | Tfo memma |  |  |  |  |
|  |  |  | 込 |  |  |
|  | bit mimemem 1 |  | － |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| ， | moil |  |  |  |  |
| mia | 为 |  |  |  |  |
| man bere |  | Ne |  |  |  |
| Somen |  |  |  |  |  |
|  | ma |  | mat |  |  |
|  |  | ， |  |  | coum suxatas |
|  | 为， | 边 | DiREC |  |  |
|  | din | ater |  |  |  |
|  |  | － |  | men |  |
| diouthir wom | Sumbeim |  |  |  | 10 ADVERTISERS． |
| ， |  | Ameme |  |  |  |
|  |  | 20 |  |  | e P． |
| lision mitiono mis |  | deme |  |  |  |
|  | mman |  | － |  | 2ma |
|  |  |  | e | A |  |
|  |  | mad | \％ |  | Tmaxame |
|  | Smen | and | Tracts brom $\frac{1}{}$ |  |  |
| andimbe emitum thit |  |  | 20 |  | ncial eidesslyant， |
|  |  |  |  |  | h．piokard，d．o． |
| 发 |  | andem |  |  | mo |
| but mexemon mic |  | Whinserem seme | 50 max |  |  |
|  | ano | \％ |  |  | anilix，s． s |
|  |  |  |  |  |  |
| antit midut | cood mansirs． |  |  |  |  |
| \％ | \％． H ．een |  |  |  |  |
| noien mo |  |  | Stame |  |  |
| 隹 |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| Seis | Sitat potion |  |  |  | асент： |
| mitas | Sismeme |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| min | Sememe |  |  |  |  |
| Heme | Tom |  | ESS ALL ORDERS，AND LETTERS TO |  |  |
|  |  |  | J C．TLliton，No．10i：Sisth St，Pittsbargh，Pa． |  |  |

